Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Under graduate Diploma/ in Multidiscplinary Study			
Programme:-Diploma course in SANSKRIT		Year: II	Semester: III Paper- DSC I
Course Code: DSC 03	Course Title: **संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Unit	Topic
Unit I	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग–01 से 30 श्लोक पर्यन्त– महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit II	शिवराजविजयम्– प्रथम विराम का प्रथम निःश्वास, ग्रन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था एवं शिक्षा व्यवस्था।
Unit IV	सन्धि प्रकरणम्–(लघुसिद्धान्तकौमुदी से) अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)।
Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।

Suggested Reading:

1– किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।
2– शिवराजविजयः (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम–डॉ0 रमाशंकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
4– भारतीय संस्कृति–वाशुदेव शरण अग्रवाल।
5– लघुसिद्धान्तकौमुदी–महेश सिंह कुशवाहा।

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Under graduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:-Diploma course in SANSKRIT		Year: II	Semester:III Paper-DSE II
Course Code: DSE 01	Course Title:**उपनिषद् एवं पुराण**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं संख्या का अवबोध होगा।
2. उपनिषद् में वर्णित ज्ञान, कर्म एवं उपासना को समझ सकेगें।
3. पुराणों के परिचय से सृष्टि,सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
4. पुराणों के अध्ययन से के परिचय से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
5. स्तोत्रकाव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषदों की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।
Unit II	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– प्रथमवल्ली – कठोपनिषद् का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– द्वितीयवल्ली– मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit IV	प्रमुख पुराणों का सामान्य परिचय– ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण एवं महत्त्व।
Unit V	विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण परिचय एवं महत्त्व।

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्–सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विमर्श–पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण–गीता प्रेस, गोरखपुर।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ0 कर्णसिंह–साहित्य भण्डार, मेरठ।
5– पुराण तत्त्व मीमांसा–डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– भागवतपुराण का सांस्कृतिक अध्ययन–लक्ष्मीशंकर उपाध्याय–साहित्य सहचर वाराणसी।
7– पुराणपर्यालोचन–समीक्षात्मक भाग, कृष्णमणि त्रिपठी, वाराणसी चौखम्बा, सुरभारतीय प्रकाशन 1975।
8– पुराणपर्यालोचन–गवेषणात्मक भाग, कृष्णमणि त्रिपाठी, वाराणसी चौखम्बा, सुरभारतीय प्रकाशन 1975।

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:-Diploma course in SANSKRIT		Year: II	Semester:III Paper- GE II
Course Code: GE 03	Course Title: **संस्कृतसाहित्य में मानवीय मूल्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी अपने प्राचीन नैतिक मूल्यों से सुपरिचित होंगे।
2. विद्यार्थी नैतिक मूल्यों से सम्बन्धित प्राचीन ग्रन्थों का अध्ययन करेंगे।
3. नैतिक मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थी अपने कर्त्तव्यों एवं आचरणों से परिचित होंगे।
4. नैतिक मूल्यों को जानने के पश्चात् विद्यार्थी समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने में सक्षम होंगे।
5. विद्यार्थी नैतिक मूल्यों के ज्ञान से आत्मविकास करने में सक्षम होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	संस्कृत साहित्य का परिचय, मानवीय मूल्य का अर्थ
Unit II	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण– सत्य, अहिंसा, अस्तेय , इन्द्रियसंयम, श्रद्धाभव, तप, तितिक्षा,समभाव, सद्गुण,
Unit III	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण– आत्मज्ञान,, आत्मभाव, आदर्शभाव,सदाचार, शुद्ध–आहारसद्कर्म, कर्तव्यनिष्ठा,।
Unit IV	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण–ब्रह्मचर्य, वर्णाश्रम, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष एवं मानवीय मूल्यों की प्रासङ्गिता।

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी चौक विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली।
2. वैदिक वाङमय का इतिहास–भगवद्दत्त, नई दिल्ली प्रणव प्रकाशन।
3. संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।
4. महर्षि वाल्मीकिकृत–श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण–गोरखपुर गीता प्रेस।
5. महर्षि व्यासकृत–महाभारत–सम्पादक मण्डल वी0एस0 सूकथङकर, एडगर्टन, रघुवीर आदि पुणे, भाण्डाकर प्राच्य विद्यामंदिर ।
6. धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973।
7. वेदामृतम् आचार शिक्षा–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
8. ऋग्वेद में आचार सामग्री–सत्यप्रिय शास्त्री–श्री घूडमल प्रहलाद कुमार आर्य धमार्थ ट्रस्ट ब्यानिया पाडा,हिण्डौन सिटी राजस्थान।